Date
14/04/2020

विषय – समकालीन भारत और शिक्षा
प्रकरण – भारतीय अर्थव्यवस्था के -
-उदारीकरण के सन्दर्भ में शिक्षा

BEd. Ist Year
Period - Ist

उदारीकरण की अवधारणा

Concepts of Liberalization

आज का युग वैश्वीकरण का, भूमण्डलीकरण का युग है। वैज्ञानिक अनुसंधानो और अत्यधिक विकसित सूचना एवं संचार तकनीकी ने सम्पूर्ण ससांर को एक ही वाद या विचारधारा का समर्थक बना दिया है और वह वाद या विचारधारा है – उदारीकरण।

उदारीकरण का अर्थ

शाब्दिक अर्थ, 'Libral' शब्द का मूल, लैटिन भाषा का शब्द 'Liber' है जिसका अर्थ है – 'स्वतंत्रता'।

इस प्रकार उदारीकरण वह विचारधारा है जो मन को स्वतन्त्र और विशाल बनाए।

यह विचारधारा स्वतन्त्रता और उदारता की भावना की ओर संकेत करती है ससांर के देशो के नियमो और नियमों से सम्बन्धित ढांचे के सम्बन्ध मे यह आराम लचक विभिन्नताओं को स्थान देने और दूसरो की रूचियों के बारे मे सहनशीलता लाने का उद्देश्य रखती है।

14-04-2020 11:06

उदारीकरण और शिक्षा

उदारीकरण ने सामान्य जनजीवन, व्यवसाय व इत्यादि पहलू के साथ-साथ शिक्षा को भी गहरे रूप मे प्रभावित किया है।

उदारवादी या उदार शिक्षा :- उदार शिक्षा, सामान्य शिक्षा है, इस शिक्षा की अवधारणा पुस्तकीय ज्ञान नही है बल्कि बौद्धिक तथा आध्यात्मिक ज्ञान है। उदारवादी शिक्षा मे साहित्य, कला, संगीत, इतिहास नीतिशास्त्र, राजनीति शास्त्र, आदि की शिक्षा की प्रधानता होती है। रॉस के अनुसार – "उदार शिक्षा मन तथा आत्मा की उच्चतम स्वतन्त्रता, आर्थिक स्वतन्त्रता तथा आत्म-अनुशासन रखती है। उदार शिक्षा प्राप्त व्यक्ति का मुख्य गुण अज्ञान, पक्षपात तथा पूर्वाग्रहों से मुक्ति और स्वतन्त्रतापूर्वक सोचने की स्वतन्त्रता रखना है। वह सत्य, सौन्दर्य और अच्छाई के संसार का स्वतन्त्र व्यक्ति है।"

परिभाषा के आधार पर कहा जा सकता है कि उदार शिक्षा के द्वारा व्यक्तियों मे मानवीय गुणों का विकास कर उन्हे सभ्य व सुसंस्कृत बनाकर उनका नैतिक एवं चारित्रिक विकास कर उन्हे सामाजिक व्यवहार मे निपुण बना कर सामान्य जीवन के लिए तैयार कर सत्य की खोज के लिए प्रेरित किया जाता है।

14-04-2020 11:07

उदार शिक्षा का क्षेत्र
Scope of Liberal Education

(1) शारीरिक विकास

(2) मानसिक एवं बौद्धिक विकास

(3) नैतिक एवं चारित्रिक विकास

(4) सांस्कृतिक विकास

(5) सामाजिक विकास

(6) आध्यात्मिक विकास

(7) लोकतान्त्रिक नागरिकता का विकास

(8) मानवीय मूल्यो का विकास

(9) नेतृत्व के गुणो का विकास

(10) अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना और विश्वबन्धुत्व की भावना का विकास

उदार शिक्षा की विशेषताएँ

(1) उदार शिक्षा मे मानवीय गुणो एवं आन्तरिक मूल्यो का सम्मान होता है।

(2) उदार शिक्षा मानवता का विकास करती है।

(3) उदार शिक्षा का शिक्षक, बुद्धि का प्रयोग केवल धन अर्जन के लिए ही उपयुक्त नही मानता।

(4) उदार शिक्षा विविध विषयो के पाठ्यक्रम की समर्थक है। यह व्यक्ति को प्रत्येक व्यवसाय के लिए तैयार करती है न कि किसी विशिष्ट व्यवसाय को।

(5) विषय-ज्ञान के साथ-साथ भावनाओ के निखार पर बल देती है।

14-04-2020 11:07

उदार शिक्षा का महत्व
Importance of Liberal Education

(1) **व्यक्तित्व का विकास** ⇒ व्यक्तित्व के सभी पक्षो - शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, नैतिक सांस्कृतिक आदि को विकसित करने मे उदार शिक्षा की महत्वपुर्ण भूमिका होती है।

(2) **समायोजन मे सहायक** ⇒ हर्सले के अनुसार - "उदार शिक्षा व्यक्ति को वह ज्ञान प्रदान करती है जो उसे आत्म-संयम प्राप्त करने तथा वातावरण के साथ समायोजन करने मे सहायता करता है।

(3) **मानव समाज का ज्ञान** ⇒ समाज एवं व्यक्ति का घनिष्ठ सम्बन्ध है। उदार शिक्षा समाज की प्रकृति, संरचना व सामाजिक परिवर्तन एवं समस्याओ को समझने मे सहायता करती है।

(4) **संस्कृति का विकास** ⇒ उदार शिक्षा संस्कृति के विकास मे बहुत सहायक है। उदार शिक्षा ही व्यक्ति मे श्रेष्ठ व उत्तम संस्कार जाग्रत करती है।

(5) **मन की स्वतन्त्रता** ⇒ उदार शिक्षा मन को प्रशिक्षित करती है यह मन को स्वतन्त्र रूप से सोचने - विचारने व अभिव्यक्त करने की स्वतन्त्रता सिखाती है। व्यक्ति का दृष्टिकोण व्यापक व विशाल बनाती है।

(6) **प्रेरणादायक** ⇒ उदार शिक्षा प्रेरणादायी होती है। इसके उदाहरण अनेको समाज सुधारको के प्रेरणादायी संदेश है।

14-04-2020 11:07

14-04-2020 11:07

उदार शिक्षा की कमियाँ

(1) व्यक्ति को स्व-केन्द्रित और अव्यावहारिक बनाती है।

(2) हस्त कार्य की उपेक्षा करती है।

(3) समाज मे वर्ग-भेद की भावना पैदा करती है।

(4) व्यावसायिक प्रशिक्षण का अभाव होता है।

(5) उदार शिक्षा अप्रगतीशील है।

Complete

Sudhi Tyagi
B.R. College